परियोजना गतिविधियॉ

अवयव 1 : इस अवयव के अन्तर्गत नीति निर्धारण और परियोजना प्रबन्धन के लिये संस्थागत संरचना में सुधार, स्वास्थ्य क्षेत्र के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिये प्रबन्धन एवं संस्थागत क्षमता में सुधार, प्रशिक्षण द्वारा मानव संसाधनों का स्वास्थ्य प्रबंधन और सूचना तंत्र का सुदृढीकरण ।

नीति निर्धारण के लिये संस्थागत संरचना में सुधार :

परियोजना के अन्तर्गत रणनीति योजना (स्ट्रेटेजिक प्लानिंग) सेल की स्थापना तथा क्रियान्वयन निम्न उद्धेश्य हेतु किया जा चुका है।

- योजना रणनीति (स्ट्रेटेजिक प्लानिंग) कार्यक्षमता का सुदृढ़ीकरण।
- परियोजना के लिये विषय–विशेषज्ञ की तरह कार्य।
- स्वास्थ्य तंत्र को सुधारने एवं कार्यक्षमता बढ़ाने के लिये विभिन्न अध्ययन एवं शोध कार्यों की जिम्मेदारी।

प्रबंधन एवं संस्थागत क्षमता का सुदृढ़ीकरण : परियोजना प्रबंधन संरचना की स्थापना :–

(चार–स्तरीय) प्रबंधन संरचना का गठन निम्न कार्य के लिये किया जा चुका है:–

- परियोजना के आसान क्रियान्वयन की सुनिश्चिता के लिये।
- चिकित्सा विभाग की विभिन्न चालू गतिविधियों के साथ समन्वय।
- स्वास्थ्य सेवाओं को एक स्तर पर लाना।
- योजनाओं का विकेन्द्रीकरण।
- कारगर निर्णय लेना।
- प्रत्येक स्तर पर [सभी तरह की देखभाल] उचित सेवाओं का प्रावधान।

मानव संसाधनों का सुदृढ़ीकरण : प्रशिक्षण द्वारा क्षमता बढ़ाना

अस्पताल सेवाओं और चिकित्सा की गुणवत्ता एवं उपयोगिता में सुधार लाने के लिये सेवारत रहते हुये चिकित्सा कर्मियों की क्लिनिकल और प्रबंधन क्षमता को उच्च स्तर पर लाने के लिये नियमित प्रशिक्षण देना। जैसेकि –प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं सूचना तंत्र, कचरा प्रबन्धन, उपकरण प्रबन्धन एवं रख रखाव, रेफरल प्रणाली, दवाईयों का सही उपयोग तथा व्यवहार

में बदलाव लाना (बिहेवियर चेन्ज कम्यूनिकेंशन BCC) यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य क्षेत्र के सभी श्रेणी कर्मचारियों को दिये जा रहे हैं, जिससे परियोजना के पूरा हो जाने के बाद भी गुणात्मक सुधार लगातार होता रहे व सुनिश्चित हो । परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वालों को प्रशिक्षण देकर उनकी कार्य क्षमता कों बढावा दिया जायेगा। इस उद्देश्य के लिये विभिन्न संस्थाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिनमें लगभग 8,837 स्वास्थ्य कर्मियों को विभिन्न स्वास्थ्य विशेषताओं में चिकित्सकीय कार्य क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य प्रबंधन और सूचना तंत्र का सुदृढ़ीकरण

सभी स्तरों पर संसाधनों की बेहतर योजना के लिये प्रबंध सूचना तंत्र अतिआवश्यक है, यदि व्यवस्था उत्तम और सुदृढ़ है, तो अस्पताल की गतिविधि और सक्षमता का आंकलन किया जा सकता है। अस्पताल प्रशासकों और प्रबंधकों को आंकड़े सूचना तंत्र के माध्यम से उपलब्ध हो सकते है जो अस्पताल की कार्यशैली और प्रबंध सुधारों मे सहायक सिद्ध होते है। वर्तमान सूचना तंत्र कई क्षेत्रों जैसे मानव संसाधन, लेखा रख–रखाव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, वित्तीय प्रबंधन, चिकित्सकीय गतिविधियां आदि के आंकलन में सक्षम नहीं है। जो सूचना प्राप्त होती है वह तथ्यहीन, समझने में कठिन व आंकड़ों के आंकलन में सहायक नहीं होती, इसलिये स्वास्थ्य प्रबंधन और सूचना तंत्र का कम्प्यूटरीकरण करना अतिआवश्यक है। इस तंत्र में निम्न का समायोजन होगा :–

- कारगर चिकित्सा रिकार्ड तंत्र की रचना।
- आंकड़े आंकलन क्षमता बढ़ाने के लिये कर्मचारियों को प्रशिक्षण।
- जिला अस्पतालों और उपखण्ड अस्पतालों में कम्प्यूटर की पूर्ति।
- असुविधा वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के बढ़ाने की सूचना उपलब्ध करना।
- मरीजों की संतुष्टि के लिये सूचना उपलब्ध करना।

अवयव 2 : प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार :

- जिला और उप–खण्ड अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भौतिक नवीनीकरण और सुधार।
- चिकित्सालय अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन योजना में सुधार।

चिकित्सा संस्थानों में कचरा प्रबन्धन :–

हम सभी इस तथ्य से अवगत है कि यदि अस्पतालो मे जैव चिकित्सकीय कचरा का सही तरीके से निस्तारण नही किया गया तो हमें इसके गम्भीर स्वास्थ्य व पर्यावरण सम्बन्धित परिणाम भुगतने पड सकते हैं। संक्रामित बीमारियां जैसे हैपेटाइटिस, पेट की बीमारियां, श्वास संक्रमण, चर्म रोग, एच.आई.वी./एड्स बीमारियां आदि अस्पताल कचरा से सम्बन्धित है। समाज के सभी वर्ग इससे प्रभावित है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को इस विषय में जागरूक होने की आवश्यकता है, ताकि समाज लाभान्वित हो सकें। कचरा निस्तारण के लिये हमें निम्न बातों का ध्यान रखना होगा :–

- कचरा निस्तारण सार्वजनिक निर्माण द्वारा बनाये गये कचरा पात्र और गड्डे में हों ।
- अस्पताल में कचरा निस्तारण के लिए बनाये गये विभिन्न पात्रों में नियमानुसार हों।
- इस परियेाजना के अन्तर्गत इस कार्य के लिए वैज्ञानिक निस्तारण पर कार्य किया जा रहा है।
- इसके लिये अस्पतालों में आवश्यक गड्डे व संचयन की व्यवस्था की गई है।

परियोजना के अन्तर्गत अस्पताल कचरा निस्तारण हेतु इकट्ठा करने वाले 'स्टोरेज' एवं 'पिट्स'(गढ्ढा) निर्माण का कार्य 311 अस्पतालों में लगभग कार्य पूर्ण हो चुका है।

रैफरल प्रणाली में सुधार :–

वर्तमान में तृतीय स्तर के अस्पतालों (मेडिकल कॉलेजो) में रोगियों की भीड़ रहती है। इसलिये रैफरल सेवाओं के स्तर में सुधार लाने से द्वितीय स्तर के संस्थानों में रोगियों की बढोतरी हो सकती है। इसके लिये जन जातिय क्षेत्रों के लोगों के लिये एवं द्वितीय स्तर की उत्तम स्वास्थ्य की पहुंच के लिये जनता, निजी–सार्वजनिक एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में सामजस्य जरूरी है। जिससे मरीजों में सम्बन्धित सूचनाओं का आदान प्रदान करके रैफरल सेवाओं का प्रभावी सुदृढीकरण कर,, इस शैली में सुधार किया जा सके।